



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 428]

No. 428]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 17, 1996/अग्रहायण 26, 1918
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 17, 1996/AGRAHAYANA 26, 1918

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय
(पत्तन पक्ष)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1996

सा.का.नि. 572(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुंबई पत्तन न्यासी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में मुंबई पत्तन न्यास कर्मचारी (विभाग प्रमुखों की भर्ती) संशोधन विनियम, 1996 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. एच.-11011/1/96-पी.ई. 1]

के. वी. राव, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण : प्रमुख विनियम दिनांक 25-11-1993 के जी.एस.आर. क्र. 719(अ) अनुसार भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए हैं।

अनुसूची

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (विभाग प्रमुखों की भर्ती) संशोधन विनियम, 1996

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के खंड (ख) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (1) तहत के केंद्र सरकार के अनुमोदन से मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (विभाग प्रमुखों की भर्ती) संशोधन विनियम, 1993 में सुधार करने के लिये मुंबई पोर्ट का न्यासी मंडल निम्न विनियम बनाता है :

(1) लघु शीर्षक एवं प्रारंभ :

ये विनियम मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (विभाग प्रमुखों की भर्ती) संशोधन विनियम, 1996 कहलाये जायेंगे।

(2) ये विनियम केंद्र सरकार की मंजूरी शासकीय राजपत्र (गैज़ेट) में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

(3) मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (विभाग प्रमुखों की भर्ती) विनियम, 1993 में—

- (क) विनियम 1(i) में शीर्षक 'बॉम्बे' की जगह पर 'मुंबई';
- (ख) विनियम 8 में वर्तमान उपविनियम (3) के बाद निम्नलिखित उपविनियम (4) शामिल किया जाये—
- (4) नियुक्तिकर्ता अधिकारी निर्धारित परीक्षा अवधि में या उसके समाप्ति पर विभाग प्रमुख को कार्यमुक्त या प्रत्यावर्तित करने से पहले उस अधिकारी को उसका मामला नियुक्त अधिकारी को प्रस्तुत करने का अवसर देगा और ऐसी कार्यमुक्ति/प्रत्यावर्तन के कारण लिखित रूप में अभिलेखित करेगा।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(Ports Wing)
NOTIFICATION

New Delhi, the 17th December, 1996

G.S.R. 572(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mumbai Port Trust (Recruitment of Heads of Departments) Amendment Regulations, 1996 made by the Board of Trustees for the Port of Mumbai and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. H-11011/1/96-PE-1]

K. V. RAO, Jt. Secy.

Foot Note : The principal Regulations were published in the Gazette of India *vide* G.S.R. No. 719(E) dated 25-11-1993.

SCHEDULE

Mumbai Port Trust (Recruitment of Heads of Departments) Amendment Regulations, 1996—

In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Mumbai, with the approval of the Central Government under sub-section (1) of section 124 of the said Act, hereby make the following regulations further to amend the Bombay Port Trust (Recruitment of Heads of Departments) Regulations, 1993 :

1. Short title and commencement :

These regulations may be called the Mumbai Port Trust (Recruitment of Heads of Departments) Amendment Regulations, 1996.

2. They shall come into force on the date of publication of the sanction thereto of the Central Government in the Official Gazette.

3. In the Bombay Port Trust (Recruitment of Heads of Departments) Regulations, 1993—

- (a) In the title at regulation 1(i) substitute the word 'Bombay' by the word 'Mumbai'; and
- (b) after the existing sub-regulation (3) in regulation 8, add the following as sub-regulation (4).

- (4) The appointing authority shall, before discharge or reversion of the Head of Department during or at the end of the prescribed period of probation give the officer opportunity to explain/present his case to the appointing authority and record, in writing, reasons for such discharge/reversion.